06735

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2012

एम.एच.डी.-4 : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *पहला प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है। शेष* ***किन्हीं चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. किन्हीं तीन की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3x12=36

(क) धर्म अधर्म एक दरसाई ।

राजा करे सो न्याव सदाई ।।

भीतर स्वाहा बाहर सादे ।

राज करहि अगले अरु प्यारे ।।

अंधाधुंध मच्यौ सब देसा ।

मानहुँ राजा रहत विदेसा ।।

गो द्विज श्रुति आदर नहीं होई ।

मानहुँ नृपति विधर्मी कोई ।।

(ख) मैं दो बड़े पहियों के बीच लगा हुआ
एक छोटा निरर्थक शोभा -चक्र हूँ
जो बड़े पहियों के साथ घूमता है
पर रथ को आगे नहीं बढ़ाता
और न धरती ही छू पाता है!
और जिसके जीवन का सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है
कि वह धुरी से उतर नहीं सकता!

(ग) हर -एक के पास एक -न -एक वजह होती है । इसने इसलिए कहा था । उसने उसलिए कहा था। मैं जानना चाहता हूँ कि मेरी क्या यही हैसियत है इस घर में कि जो जब जिस वजह से जो भी कह दे मैं चुपचाप सुन लिया करूँ । हर वक्त की धतकार, हर वक्त की कोंच , बस यही कमाई है यहाँ मेरी इतने सालों की ?

(घ) और रूप की तो बात ही क्या है! बलिहारी है इस मादक शोभा की । चारों ओर कुपित यमराज के दारूण नि:श्वास के समान धधकती लू में वह हरा भी है और भरा भी है , दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जल स्त्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है।

(ङ) ठकुरी बाबा को देने में एक विशेष प्रकार की आनंदानुभूति होती है, इसी से वे स्वयं पूछ -पूछकर इस विनिमय व्यापार को शिथिल होने नहीं देते । वे भावुक और विश्वासी जीव हैं । चिकारा हाथ में लेते ही उनके लिए संसार का

अर्थ बदल जाता है । उनकी उदारता , सहज सौहार्द , सरल भावुकता आदि गुण ग्रामीण जीवन के लक्षण होने पर भी अब वहाँ सुलभ नहीं रहे । वास्तव में गाँव का जीवन इतना उत्पीड़ित और दुर्वह होता जा रहा है कि उसमें मनुष्यता को विकास के लिए अवकाश मिलना ही कठिन है ।

2. रंगमचीय विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए 'अंधेर नगरी' का मूल्यांकन कीजिए । 16

3. 'स्कन्दगुप्त' नाटक के आधार पर स्कन्दगुप्त की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 16

4. 'आधे-अधूरे' में चित्रित मध्यवर्गीय जीवन के अंतर्विरोधों और विडंबनाओं पर प्रकाश डालिए । 16

5. 'अंधायुग' पर अस्तित्ववादी जीवन -दर्शन के प्रभाव की समीक्षा कीजिए । 16

6. 'लोभ और प्रीति' निबंध के आधार पर रामचंद्र शुक्ल के भाव और मनोविकार संबंधी निबंधों की विशेषताएँ बताइए । 16

7. 'संस्कृति और जातीयता' में व्यक्त विचारों का विवेचन प्रस्तुत कीजिए । 16

8. संस्मरण विधा के महत्त्व का उल्लेख करते हुए 'वसंत का अग्रदूत' की विशेषताएँ बताइए । 16

9. बच्चन की आत्मकथा का आत्मकथा विधा की दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए । 16

10. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए : 8x2=16

(क) 'कलम का सिपाही' की भाषा

(ख) यात्रा वृतांत

(ग) 'ताँबे के कीड़े' की प्रतीकात्मकता

(घ) 'तीसरे दर्जे का श्रद्धेय' का प्रतिपाद्य